हर स्मार्ट गांव में होंगे 15 काम

सरकार ने बांटी जिम्मेदारी

दर्जन भर विभाग देंगे बजट

जयपुर @ पत्रिका. प्रदेश के तीन हजार से अधिक गांवों को स्मार्ट विलेज बनाने की घोषणा के बाद सरकार ने इस योजना पर काम शुरू कर दिया है। सरकार ने करीब दर्जन भर विभागों को स्मार्ट विलेज विकसित करने के लिए उनकी जिम्मेदारी सौंपी है। एक गांव को स्मार्ट बनाने के लिए सरकार ने कुल 15 तरीके के कार्य निर्धारित किए हैं। विभिन्न विभाग खुद से सम्बन्धित विकास कार्ययोजना के तहत चयनित गांव में कराएंगे। पंचायत राज विभाग ने हाल ही सभी विभागों को अपने-अपने कार्यों के लिए उनके विभागीय बजट से प्रावधान करने के निर्देश दिए हैं।

दो मुख्य सड़कें बनेंगी स्वराज मार्ग

स्मार्ट विलेज में सार्वजनिक निर्माण विभाग दो मुख्य मार्गों को स्वराज मार्ग के नाम से विकसित करेगा। सूचना व प्रौद्योगिकी विभाग ई-लाइब्रेरी और नॉलेज सेंटर स्थापित करेगा। इसके अलावा दो लाख रुपए की लागत से सामुदायिक शौचालय, प्रमुख स्थान पर वाई-फाई, पार्क, ओपन जिम, एलईडी या सोलर स्ट्रीट लाइट, कचरा प्रबंधन, सीनियर सैकण्डरी स्कूल, स्वास्थ्य केन्द्र निर्माण जैसे विकास कार्य प्रमुख तौर पर होंगे।

इन विभागों का होगा जिम्मा

पंचायत राज ग्रामीण विकास, शिक्षा, स्वास्थ्य, पेयजल, ऊर्जा, सूचना एवं प्रौद्योगिकी, सहकारिता, कृषि, मनरेगा, स्वच्छ भारत मिशन, सार्वजनिक निर्माण, पशुपालन विभाग।